मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 07 जुलाई 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	07/07/15	08/07/15	09/07/15	10/07/15	11/07/15
वर्षा (मि.मी.)	1	1	2	0	1
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	38	38	37	37	37
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	29	29	28	28	27
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	4	3	3	3	2
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	70	71	70	68	69
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	44	46	43	45	42
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	11	10	12	14	13
हवा की दिशा	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

ग्वार की उन्नत किस्मों आर.जी.सी–936, आर.जी.सी–1002, आर.जी.सी–1003, आर.जी.सी–1017 व आर.जी.एम–112 की बुवाई करें।

बुवाई के लिए 15–20 किलो बीज प्रति हैक्टेयर उपयोग में लें। कतार से कतार की दूरी 30 सेमी. व पौधे से पौधे की दूरी 10 सेमी. रखें।

फसल को अंगमारी रोग से बचाने के लिए प्रति किलो बीज को 250 पी.पी.एम. एग्रीमाईसीन या 200 पी.पी.एम. स्ट्रेप्टोसाईक्लिन के (0.02 प्रतिशत) घोल में तीन घण्टे भिगोकर उपचारित करें।

अरण्डी की बुवाई जुलाई के द्वितीय सप्ताह से अगस्त के प्रथम सप्ताह तक करें। जी.सी.एच–4, जी.सी.एच–5, आर.एच.सी–1, डी.सी.एस–9, व जी.सी.एच–7 उन्नत किस्मों की बुवाई करें।

दलहनी फसलों को बुवाई से पूर्व राइजोबियम कल्चर से उपचारित अवश्य करें।

खेत में वर्षा जल को रोकने के लिए खेत में छोटी छोटी क्यारियां बनाएं ताकि ज्यादा से ज्यादा वर्षा का जल उसमे इकठ्ठा हो सकें।

कपास की फसल में चित्तीदार इल्ली पुष्प कलियों के आने से पूर्व ही जुलाई माह में पौधों के बढते हुए तनो में छिद्र कर देती है। जिससे पौधे मुरझाकर सूख जाते है। नियंत्रण के लिए 0.1 प्रतिशत डी.डी.टी. अथवा बी.एच.सी. का छिड़काव करें।

पशुओं को लवणों की कमी से बचाने के लिए लवण–मिश्रण निर्धारित मात्रा में दाने या बांटे में मिलाकर दें।

(नौडल ऑफीसर)